अमर उजाला

21-09-2018

# स्वामी अग्निवेश ने पीएम और संघ प्रमुख को दी शास्त्रार्थ की चुनौती

अमर उजाला ब्यूरो

**वाराणसी।** स्वामी अग्निवेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत को वाराणसी में शास्त्रार्थ की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि ये हिंदू धर्म से खिलवाड़ कर रहे हैं। राजनीति के लिए हजारों लाखों साल पुरानी परंपरा का गला घोटा जा रहा है। उन्होंने मॉब लिंचिंग और आतंकवाद को एक ही जैसा बताया।

विश्व शांति दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को मानवाधिकार जन निगरानी समिति के कार्यक्रम से पूर्व स्वामी अग्निवेश ने सामाजिक न्याय की वकालत करते हुए सत्ता परिवर्तन की बात भी की। उन्होंने कहा कि तीन तलाक पर राजनीतिक लाभ के लिए रात के 12 बजे अध्यादेश सरकार जारी किया गया। अल्पसंख्यकों को साधने की कोशिश की जा रही है। जब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने लिख कर दे दिया कि निकाहनामे में तीन तलाक के खिलाफ शर्तें लिख देंगे कि तीन तलाक नहीं दिया जा सकता। लेकिन, मोदी सरकार इसको जल्दबाजी में पास कराके क्रेडिट लेने में लगी है। उन्होंने कहा कि वह कोई नई पार्टी नहीं बना रहा हूं। मेरी कोशिश है की सारी विपक्षी पार्टियां एकजुट हो जाएं। विपक्ष की बातों को भी इनकॉरपोरेट करें कि तीन साल तक उनको, पीड़िता को गुजारा भत्ता कौन देगा, वर्ना सीधे सीधे संसद में बहस कराकर पास कराना चाहिए था। उधर, नफरत की राजनीति भीड़ द्वारा हिंसा केविरोध में अंबेडकर पार्क कचहरी में प्रतिवाद सभा हुई। इसमें स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मॉब लिंचिंग या भीड़ द्वारा हिंसा और आतंकवाद एक है। दोनों पर एक ही कानून पर कार्रवाई हो। कार्यक्रम का संचालन अनूप श्रमिक और धन्यवाद ज्ञापन एसपी राय ने किया।

## पुलिस यातना से पीड़ितों का हुआ सम्मान

विश्व शांति दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को मानवाधिकार जन निगरानी समिति, जनमित्र न्यास और सावित्री बाई फूले महिला पंचायत ने यातना पीड़ितों को उनके संघर्षों के लिए सम्मानित किया। ये वो पीड़ित थे जो पुलिस की यातना, फर्जी मुकदमों का दंश झेल रहे थे। मुख्य अतिथि समाजसेवी स्वामी अग्निवेश और विशिष्ट अतिथि स्वामी आर्यवेश व सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर मानव ने सोनभद्र के 12 और वाराणसी के छह पीड़ितों को सम्मानित किया।

हिंदुस्तान

# विरोध को दबाने की कोशिश की जा रही

पत्रकारों से गुरुवार को बात करते स्वामी अग्निवेश (बाएं)। • हिन्दुस्तान

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का स्थान होना चाहिये लेकिन मौजूदा सरकार विरोध को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो अन्य राजनीतिक दलों से बातचीत कर उन्हें एक मंच पर लाया जायेगा।

गुरुवार को जगतगंज स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में स्वामी अग्निवेश ने कहा कि अटलजी को श्रद्धांजलि देने जब मैं भाजपा मुख्यालय पहुंचा तो मॉब अटैक का शिकार हुआ। भीड़ ने मेरे साथ मारपीट की लेकिन दुर्भाग्य है कि सरकार व पार्टी पदाधिकारियों ने मेरे ऊपर हमले की निंदा तक नहीं की। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल में देश में न तो किसानों की समस्याओं का समाधान हुआ न ही असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की स्थिति सुधरी।

युवाओं के सामने आज भी बेरोजगारी बड़ी समस्या है। केंद्र सरकार ने हाल ही में रोजगार संबंधी जो आंकड़े रखे हैं वह भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस भविष्य के भारत पर चर्चा कर रहा है लेकिन वर्तमान भारत की समस्याओं के समाधान पर गंभीर नहीं है। स्वामी अग्निवेश ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के पदाधिकारियों को शास्त्रार्थ परंपरा के अनुसार काशी में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की चुनौती देता हूं।

दैनिक जागरण

# स्वामी अग्निवेश ने भागवत को दी शास्त्रार्थ की चुनौती

**जासं, वाराणसी** : स्वामी अग्निवेश ने कहा कि हिंदू धर्म के प्रति खिलवाड़ पर स्वामी अग्निवेश ने पीएम और संघ प्रमुख मोहन भागवत को पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में शास्त्रार्थ की चुनौती दे डाली। उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर खुल कर हमला किया।

मानवाधिकार जननिगरानी समिति के एक कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को पत्रकारों से मुखातिब थे। कहा कि देश की वर्तमान स्थिति के लिए केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। आगामी लोकसभा चुनाव के बाबत कहा कि कोई नई पार्टी नहीं बना रहा हूं। मैं कोशिश कर रहा हूं कि सारी विपक्षी पार्टियों को एकजुट हो जाएं।

तीन तलाक पर कहा कि सरकार के कदम राजनीतिक लाभ के लिए उठाए गए हैं। सरकार हड़बड़ी में रात के 12 बजे अध्यादेश जारी कर अल्पसंख्यकों को साधने की कोशिश कर रही है। जब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने लिख कर दे दिया कि निकाहनामे में तीन तलाक के खिलाफ शर्तें लिख देंगे कि तीन तलाक नहीं दिया जा सकता, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार इसको जल्दबाजी में पास कराकर श्रेय लेने की कोशिश कर रही है।

मानवाधिकार जन निगरानी समिति द्वारा आयोजित समारोह मे बोलते स्वामी अग्निवेश

**यातना पीड़ितों के संघर्ष को सम्मान:** जगतगंज स्थित होटल में आयोजित कार्यक्रम में यातना पीड़ितों के संघर्ष के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वामी अग्निवेश ने सोनभद्र के पुलिस यातना के 12 और वाराणसी के छह पीड़ितों का सम्मान किया। स्वामी आर्यवेश, गांधीवादी विचारक मनोहर मानव, व डा. लेनिन रघुवंशी ने संबोधित किया।

# जनसंदेश

## साम्प्रदायिकता, जातिवाद के घुटन में देश जी रहा, मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही

# पीएम मोदी व भागवत को शास्त्रार्थ की चुनौती

**जनसंदेश न्यूज**

**वाराणसी।** प्रख्यात आध्यात्मिक व समाजसेवी स्वामी अग्निवेश ने कहा कि तीन तलाक के नाम पर भाजपा राजनीतिक लाभ ले रही है। आज पूरा देश साम्प्रदायिकता, हिंसा, जातिवाद के घुटन में जी रहा है। मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल रही है। कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी व मोहन भागवत काशी में मुझसे शास्त्रार्थ कर सकते हैं। स्वामी अग्निवेश गुरुवार को वाराणसी में थे। वह एक कार्यक्रम के सिलसिले में यहां पहुंचे थे। इस दौरान वह गुरुवार को जगतगंज स्थित एक होटल में मीडिया से भी रू-ब-रू थे। स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मैं कोई नयी पार्टी नहीं बना रहा हूं। मैं कोशिश कर रहा हूं कि सारी विपक्षी पार्टियां एकजुट हो जाएं। तीन तलाक पर सरकार के कदम के सवाल के जवाब पर कहा कि तीन तलाक पर राजनीतिक लाभ के लिए रात के 12 बजे सरकार अध्यादेश जारी कर रही है। इस अध्यादेश से अल्पसंख्यकों को साधने की कोशिश की जा रही है। कहा कि जब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने लिख कर दे दिया कि निकाहनामे में तीन तलाक के खिलाफ शर्तें लिख देंगे कि तीन तलाक नहीं दिया जा सकता, लेकिन मोदी सरकार इसको जल्दबाजी में पास कराकर क्रेडिट लेने की कोशिश कर रही है, वो शोभनीय नहीं है। कहा कि विपक्ष की बातों को भी इनकॉरपोरेट करें कि 3 साल तक उनको (पीड़िता) को गुजारा भत्ता कौन देगा? वर्ना सीधे सीधे संसद में बहस कराकर पास कराना चाहिए था। कहा कि आज भारत का भविष्य क्या है? हिंसा, साम्प्रदायिकता, जातिवाद आदि के घुटन में देश जी रहा है। मोदी सरकार ने किसानों से जो वादा किया था वह पूरा नहीं हुआ। आज जो लोग अपने को हिंदू के ठेकेदार बता रहे हैं वही लोग उन पर अत्याचार भी कर रहे हैं। मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही है। उनकी स्थिति बंधुआ मजदूरों जैसी हो गई है। नोटबंदी के नाम पर जितना भी काला धन था नरेन्द्र मोदी ने सफेद कर दिया। जीएसटी के नाम पर व्यापारी वर्ग परेशान हैं। सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। छात्र इसमें पिसे जा रहे हैं। मोदी का कहना है कि 12 करोड़ रोजगार सृजन हुए हैं जो सरासर झूठ है। मंदिरों के शहर में देवालयों को तोड़ा जा रहा है। कहा कि मेरे ऊपर जो हमले हुए उनमें आज तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई।

**अग्निवेश की चुनौती**

- तीन तलाक पर राजनीतिक लाभ ले रही भाजपा
- हिंदुओं के ठेकेदार उनके साथ ही कर रहे ज्यादती
- मेरे ऊपर हुए हमले में अभी तक गिरफ्तारी नहीं

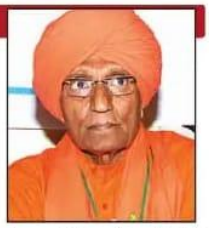

स्वामी अग्निवेश ने पीएम और संघ प्रमुख को वाराणसी में पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में शास्त्रार्थ की चुनौती भी दे डाली और ये चुनौती हिन्दू धर्म के साथ खिलवाड़ पर दी। उन्होंने कहा कि अपनी राजनीति को चमकाने के लिए हजारों-लाखों वर्ष पुरानी उर्वरा का सरकार गला घोट रही है। उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर आरोप लगाते हुए देश की वर्तमान स्थिति के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। आगामी 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन की बात के साथ ही सामाजिक न्याय की वकालत करते हुए सत्ता परिवर्तन की बात भी की। पत्रकारवार्ता में प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के स्वामी आर्यवेश व मानवाधिकार जन निगरानी समिति के सीईओ डा. लेनिन रघुवंशी भी मौजूद थे।

---

**आरएसएस पर भी साधा निशाना...**

# अग्निवेश की चुनौती, दम है तो मोदी काशी में मुझसे करें बहस

### पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में स्वामी ने दागे कई सवाल

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
rajasthanpatrika.com

**वाराणसी.** आर्यसमाजी चर्चित नेता स्वामी अग्निवेश गुरुवार को बनारस पहुंचे। यहां उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर खुल कर हमला किया। देश की वर्तमान स्थिति के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर हमला किया।

मीडिया से मुखातिब स्वामी अग्निवेशन ने पत्रिका के सवाल के जवाब में कहा कि मौजूदा सरकार को बदलना जरूरी है। इस बाबत

विकल्प के सवाल पर महागठबंधन का समर्थन किया। कहा कि अखिलेश यादव, मायावती और राहुल गांधी का प्रयास सफल होगा। यह जरूरी है कि एक साझा गठबंधन तैयार हो जो मौजूदा सरकार से लड़ सके। एक सवाल के जवाब में सारे समीकरण अंतिम वक्त में ही बनते हैं। चुनाव आते-आते सारे समीकरण बन जाएंगे।

खुद के चुनाव लड़ने के बाबत कहा कि मैंने तो जिन दिन संन्यास ग्रहण किया उसी दिन नई पार्टी की घोषणा कर दी थी। महागठबंधन या किसी पार्टी से चुनाव लड़ने की बाबत कहा कि अभी कहीं से कोई प्रस्ताव नहीं आया है। प्रस्ताव आने पर विचार करेंगे।

उन्होंने कहा कि झारखंड में जब मुझ पर हमला हुआ उसके बाद थोड़ा खुद के संभलने के बाद काफी वीडियो देखे, तो पता चला कि देश का हर हिंदू-मुस्लिम सभी ने उस घटना का विरोध किया था। उससे मुझे काफी ताकत मिली। स्वामी अग्निवेश ने माँब लिचिंग की घटना के लिए भाजपा और आरएसएस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले झारखंड, फिर पिछले दिनों जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के बाद भाजपा मुख्यालय में श्रद्धांजलि देने जा रहा था तब भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुझ पर हमला किया। मेरे कपड़े तक फाड़ डाले। यह घटना जब हुई तब प्रधानमंत्री खुद भाजपा मुख्यालय में थे लेकिन उन्होंने मुझ पर हुए हमले की निंदा तक नहीं की। कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बड़ी-बड़ी बात करते हैं लेकिन एक स्वामी पर हमले की निंदा संबंधी एक भी बयान नहीं आया।

### नोटबंदी को मनीलांड्रिंग बना दिया

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि इस मोदी सरकार ने नोटबंदी के नाम पर मनी लांड्रिंग की। जीएसटी के नाम पर व्यापारियों को बर्बाद कर दिया। इस मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं की। देश में जो केवल झूठ को फैलाया जा रहा है उस पर चर्चा क्यों नहीं की? कहा कि सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं पर वो दिखता नहीं, इस पर चर्चा क्यों नहीं की? सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक किया, पाकिस्तान में घुस कर उनके ठिकानों को नेस्त नाबूत करने, आतंकियों को मार गिराने के बाद कहा कि अब हमले नहीं होंगे। लेकिन हाल यह है कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद सैनिकों पर हमले और बढ़े हैं। अरे इन्होंने तो सर्जिकल स्ट्राइक को फर्जीकल स्ट्राइक में बदल डाला।

### आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही

झारखंड में लाखों आदिवासियों जमीन छीनी जा रही है, वो जमीनें पूंजीपतियों को दी जा रही हैं। मैं वहां उसका विरोध करने गया था। उन्होंने कहा कि मैं तो महर्षि दयानंद, कबीर और रैदास से प्रेरणा लेकर पिछले 50 साल से दबे-कुचले लोगों की आवाज बन कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर रहा हूं। सवाल किया कि क्या मेरा ऐसा करना गलत है। क्या ये हिंदू धर्म के खिलाफ है।

### मोदी, भागवत काशी में आ कर करें बहस

उन्होंने कहा कि दयानंद, कबीर और रैदास के जमाने में माँब लिचिंग नहीं थी सो उनके विचार दूर दूर तक गए। अब सच्ची बात करने वालों को मारा जा रहा है। उन्होंने मीडिया पर भी सवाल उठाए और कहा कि कुछ मीडिया हाउस सरकार का ही साथ दे रहे हैं। स्वामी अग्निवेश ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि अगर बहस करनी है तो काशी में आकर करें। बंद कमरे चर्चा क्या? आएं काशी जहां दयानंद ने शास्त्रार्थ किया मैं उनका शिष्य यहां उनसे हर मुद्दे पर बहस करने को तैयार हूं, वह भी विद्वानों और मीडिया के बीच।

# काशी में मुझसे खुली बहस करें मोदी-भागवत : स्वामी अग्निवेश

■ एसएनबी

वाराणसी।

चर्चित आर्य समाजी व हरियाणा के पूर्व विधानसभा सदस्य स्वामी अग्निवेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को यहां खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बंद कमरे में कैसी बहस, जो हो सबसे सामने हो। दम हो तो मोदी और भागवत विद्वानों की नगरी काशी आकर विद्वतजन और मीडिया के सामने बहस करें। उन्होंने मॉब लिंचिंग के लिए भाजपा और आरएसएस को जिम्मेदार ठहराया और खुद पर भाजपा मुख्यालय में हमले की बात कहकर इसे भाजपा और आरएसएस की साजिश बताया। स्वामी अग्निवेश बृहस्पतिवार को जगतगंज स्थित एक होटल में मीडिया से रूबरू थे।

उन्होंने कहा कि काशी में महर्षि दयानंद ने बड़ा शास्त्रार्थ किया था। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विद्वानों की नगरी काशी में

मॉब लिंचिंग के लिए भाजपा-आरएसएस को ठहराया जिम्मेदार

महागठबंधन रहेगा सफल, चुनाव आते-आते बन जाएंगे समीकरण

बहस करें, बंद कमरे चर्चा क्या, आएं काशी जहां दयानंद ने शास्त्रार्थ किया था, मैं उनका शिष्य यहां उनसे हर मुद्दे पर बहस करने को तैयार हूं, वह भी विद्वानों और मीडिया के सामने। उन्होंने कहा कि दयानंद, कबीर और रैदास के जमाने में मॉब लिंचिंग नहीं थी इसलिए उनके विचार दूर-दूर तक गए। अब सच्ची बात करने वालों को मारा जा रहा है। मॉब लिंचिंग के लिए भाजपा और आरएसएस जिम्मेदार हैं। इनके कार्यकर्ताओं ने मुझ पर भी एक नहीं दो-दो बार हमला किया। पहले झारखंड फिर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर भाजपा मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमला किया। कपड़े तक फाड़ डाले। भाजपा और आरएसस के किसी नेता ने अब तक हमले की निंदा तक नहीं की। इससे साफ है कि यह सब सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। स्वामी अग्निवेश ने सामाजिक न्याय और परिवर्तन की वकालत की।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार को बदलना जरूरी है। कहा कि अखिलेश यादव, मायावती और राहुल गांधी का महागठबंधन का प्रयास सफल होगा। यह जरूरी है कि एक साझा गठबंधन तैयार हो जो मौजूदा सरकार से लड़ सके। चुनाव आते-आते सब कुछ ठीक हो जाएगा। सारे समीकरण अंतिम वक्त में ही बनते हैं। चुनाव आते- आते सारे समीकरण बन जाएंगे।

## संन्यास लेते ही बनायी नयी पार्टी

चुनाव लड़ने के सवाल पर स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मैंने जिस दिन सन्यास ग्रहण किया उसी दिन नयी पार्टी की घोषणा कर दी थी। महागठबंधन या किसी पार्टी से चुनाव लड़ने के बाबत उन्होंने कहा कि अभी कहीं से कोई प्रस्ताव नहीं आया है। प्रस्ताव आने पर विचार किया जाएगा। झारखंड में हुए हमले के बाद देश के हिंदू-मुस्लिम सभी ने घटना का विरोध किया था। इससे मुझे काफी ताकत मिली। उन्होंने यह भी कहा कि अटल जी मेरे मित्र थे और मैं उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना चाहता हूं।

## नोटबंदी के नाम पर की मनी लांड्रिंग

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि मोदी सरकार ने नोटबंदी के नाम पर मनी लांड्रिंग की। जीएसटी के नाम पर व्यापारियों को बर्बाद कर दिया। इस मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं की। देश में जो झूठ फैलाया जा रहा है उस पर चर्चा क्यों नहीं की ? पीएम सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं, पर वो दिखता नहीं, इस पर चर्चा क्यों नहीं की?